राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक बुलेटिन

www.aapkiawaaznews.in

आप की आवाज

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

नई दिल्ली,समस्तीपुर से एक साथ प्रकाशित

तेज खबर तेज असर

वर्षः 04 | अंक : 278 | बुधवार 28 जनवरी 2025 | पृष्ठ – 06 | मूल्य : 3 रूपये

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगमः टीचर्स ऑफ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

शिक्षा, नवाचार और शिक्षक सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा समापन समारोह!

अमरदीप नारायण प्रसाद

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन ह्टीचर्स ऑफ बिहारह्न के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी समारोह की गरिमा....

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

विशिष्ट अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार....

समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ (IAS), पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, CIET-NCERT, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, ठउएफळ, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, NCSL-NIEPA, नई दिल्ली सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

शिक्षा नीति, मातृभाषा एवं डिजिटल शिक्षा पर जोर....

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक,

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार (उप निदेशक, SCERT बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्जवल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सात अतिथियों द्वारा सात डिजिटल प्रकाशनों का अनावरण....

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

अनावृत्त प्रकाशन एवं संपादकः

कर्मणा - डॉ. मुकेश कुमार मृदुल

शिक्षक और एआई - मनीष कुमार

भावों की उड़ान - डॉ. स्वराक्षी स्वरा

प्रगाथा - सीमा संगसार

टीचर्स ऑफ बिहार कैलेंडर - पुष्पा प्रसाद एवं मो. रिजवान अहमद

स्टडी टून - रूबी कुमारी एवं मनीष कुमार

अनुसंधानम कीर्ति सौम्य

पदाधिकारियों का संयुक्त बयान....

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा–सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर हुआ सीधा प्रसारण....

कार्यक्रम का फेसबुक पेज ह्टीचर्स ऑफ बिहार पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम संचालन एवं मीडिया वक्तव्य....

कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि– यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

Parivahan Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 329, नई दिल्ली, बुधवार 28 जनवरी 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

जिंदगी में कभी भी अपने किसी भी हुनर पर घमंड मत करना, क्योंकि... पत्थर जब पानी में गिरता है तो, अपने ही वजन से डूब जाता है

03 सखी गोपाल: जब भगवान गवाही देने पैदल चल पड़े।

06 भारत में धमनियों और शिराओं में रुकावट (ब्लॉकेज) के बढ़ते मामले

08 दिल्ली वालों ने 'डेसर्ट टू ड्रीम' के साथ मनाया पुनर्निर्माण का जश्न

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगम: टीचर्स ऑफ़ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

•शिक्षा, नवाचार और शिक्षक सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा समापन समारोह

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन "टीचर्स ऑफ बिहार" के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी समारोह की गरिमा....

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

विशिष्ट अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार....

समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ (IAS), पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, CIET-NCERT, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, NCERT, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, NCSL-NIEPA, नई दिल्ली

सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

शिक्षा नीति, मातृभाषा एवं डिजिटल शिक्षा पर जोर....

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव

(शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार (उप निदेशक, SCERT बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्जवल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सात अतिथियों द्वारा सात डिजिटल प्रकाशनों का अनावरण....

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

अनावृत्त प्रकाशन एवं संपादक:

कर्मणा – डॉ. मुकेश कुमार मृदुल

शिक्षक और एआई – मनीष कुमार

भावों की उड़ान – डॉ. स्वराक्षी स्वरा

प्रगाथा – सीमा संगसार

टीचर्स ऑफ बिहार कैलेंडर – पुष्पा प्रसाद एवं मो. रिजवान अहमद

स्टडी टून – रूबी कुमारी एवं मनीष कुमार

अनुसंधानम् – कीर्ति सौम्य

पदाधिकारियों का संयुक्त बयान....

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा— "सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।"

उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर हुआ सीधा प्रसारण....

कार्यक्रम का फेसबुक पेज 'टीचर्स ऑफ बिहार' पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम संचालन एवं मीडिया वक्तव्य....

कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया।

वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि— यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है।

www.khabronkitahtak.com

ख़बरों की तह तक

पटना व देवघर से प्रकाशित एवं पूरे झारखंड, बिहार, बंगाल तथा उत्तर प्रदेश में प्रसारित

निडर और निष्पक्ष

देवघर • वर्ष 06 • अंक 05 • पृष्ठ 12 • मूल्य 5.00 • बुधवार, 28 जनवरी, 2026

मर्दानी सिर्फ
एक फिल्म
नहीं, ये एक
जिम्मेदारी है

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगम: टीचर्स ऑफ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

- शिक्षा, नवाचार और शिक्षक सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा समापन समारोह

ख़बरों की तह तक

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन 'टीचर्स ऑफ बिहार' के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी समारोह की गरिमा

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

विशिष्ट अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार

समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ (IAS), पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, CIET-NCERT, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, NCERT, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, NCSL-NIEPA, नई दिल्ली

सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

शिक्षा नीति, मातृभाषा एवं डिजिटल शिक्षा पर जोर

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), संजय कुमार (उप निदेशक,

एससीईआरटी बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्जवल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सात अतिथियों द्वारा सात डिजिटल प्रकाशनों का अनावरण

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

अनावृत्त प्रकाशन एवं संपादक

कर्मणा -डॉ. मुकेश कुमार मृदुल, शिक्षक और एआई मनीष कुमार, भावों की उड़ान द्वा डॉ. स्वराक्षी स्वरा, प्रगाथा सीमा संगसार, टीचर्स ऑफ बिहार कैलेंडर पुष्पा प्रसाद एवं मो. रिजवान अहमद, स्टडी टून रूबी कुमारी एवं मनीष कुमार, अनुसंधानम्- कीर्ति सौम्य।

पदाधिकारियों का संयुक्त बयान

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर हुआ सीधा प्रसारण

कार्यक्रम का फेसबुक पेज 'टीचर्स ऑफ बिहार' पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम संचालन एवं मीडिया वक्तव्य

कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है।

शिक्षा में बदलाव के 7 साल, • शिक्षा, नवाचार व शिक्षक सशक्तीकरण पर रहा जोर

टीचर्स ऑफ बिहार: स्थापना दिवस पर डिजिटल नवाचार का महाकुंभ

भास्कर न्यूज़ | बथनाहा (अररिया)

टीचर्स ऑफ बिहार के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना।कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार (उप निदेशक, बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्ज्वल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

स्थापना दिवस पर 7 डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

डिजिटल कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि।

पदाधिकारियों का संयुक्त बयान

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा-सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

शिक्षा प्रेमियों से मिली सराहना

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है। कार्यक्रम का फेसबुक पेज टीचर्स ऑफ बिहार पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना मिली।

अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार

समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ , पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, नई दिल्ली सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

* बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

अपना प्रदेश, अपनी बात

* पटना संस्करण

* रजि. नंबर : 52290/90 * वर्ष : 36 * अंक : 242 * पृष्ठ : 12 * औरंगाबाद, गुरुवार, 29 जनवरी 2026 * मूल्य : 3.00 रुपये * औरंगाबाद एवं बोकारो से प्रकाशित * www.navbihartime.com

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगम

टीचर्स ऑफ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन 'टीचर्स ऑफ बिहार' के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ, पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, नई दिल्ली सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

टीचर्स ऑफ बिहार का सातवाँ स्थापना दिवस
शिक्षा मंथन से शिक्षक सशक्तिकरण को नई उड़ान

e न्यूज संवाददाता, पटना 27 जनवरी 2026 शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित संगठन "टीचर्स ऑफ बिहार" के सातवें स्थापना दिवस के समापन समारोह का आयोजन सोमवार को पटना में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम शिक्षा, नवाचार एवं शिक्षक सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा, जिसमें संगठन की सात वर्षों की संघर्षपूर्ण एवं प्रेरणादायी यात्रा को रेखांकित किया गया। समारोह में देश और प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। मुख्य वक्ताओं में डॉ एस सिद्धार्थ, भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रो डॉ अमरेंद्र बेहरा, केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रो डॉ उषा शर्मा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा प्रो डॉ चारु स्मिता मलिक, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान शामिल रहीं। वक्ताओं ने शिक्षा में नवाचार, डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण पर विशेष चर्चा की गई। डॉ चंदन श्रीवास्तव, संजय कुमार, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा डॉ उदय कुमार उज्जवल ने डिजिटल शिक्षण संसाधनों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सात अतिथियों के करकमलों से सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन किया गया, जिनमें दो ई–पुस्तकें, तीन ई–पत्रिकाएं, एक एनीमेटेड वीडियो एवं एक कैलेंडर शामिल रहा। संस्थापक शिव कुमार एवं तकनीकी टीम के नेतृत्वकर्ता ई शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संगठन से जुड़े शिक्षकों के सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सामाजिक माध्यम फेसबुक के माध्यम से भी किया गया, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षाप्रेमी जुड़े।

'कर्मणा' के लोकार्पण में हजारों शिक्षक शामिल

कार्यक्रम

समस्तीपुर, हिसं। बिहार के शिक्षकों के साहित्य की पत्रिका 'कर्मणा' का विमोचन शिक्षा विभाग के पूर्व अपर मुख्य सचिव डा. एस सिद्धार्थ ने गणतंत्र दिवस की संध्या में ऑनलाइन किया। विमोचन कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिले से हजारों की संख्या में शिक्षक शामिल हुए।

यह कार्यक्रम टीचर्स ऑफ़ बिहार के स्थापना दिवस समापन उत्सव के रूप में आयोजित किया गया था। टीचर्स ऑफ़ बिहार की साहित्यिक पत्रिका कर्मणा का संपादन उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा के शिक्षक मुकेश कुमार मृदुल ने किया है। वहीं संपादक मंडल सदस्य में समस्तीपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोरदीवा के शिक्षक गगन कुमार शामिल हैं।

प्रधान संपादक व संपादक मंडल के एक सदस्य का समस्तीपुर जिलावासी होने पर स्थानीय भाषा एवं साहित्य के शिक्षकों में खुशी का माहौल है। 'कर्मणा' साहित्य की उच्च स्तरीय पत्रिका है, जिसे टीचर्स ऑफ़ बिहार के वेबसाइट पर पढ़ा जा सकता है तथा उसके ई-वर्जन को डाउनलोड भी किया जा सकता है। इस पत्रिका का प्रकाशन शिक्षकों के सृजन को समाज और बच्चों तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। इससे बच्चों में हिंदी साहित्य के प्रति ललक पैदा होगी।

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
चौथी वाणी
एक अखबार, पूरा हिन्दुस्तान
पटना (बिहार) से प्रकाशित

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगम: टीचर्स ऑफ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

शिक्षा, नवाचार और शिक्षक सशक्तिकरण पर केंद्रित

मोतिहारी/चौथी वाणी: शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन ह्रटीचर्स ऑफ बिहारह्न के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी **समारोह की गरिमा**....कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

विशिष्ट अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार....समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ (क्अर), पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, उ्कएळ-ठउएफ्ळ, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, ठउएफ्ळ, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, ठउछ-ठक्एढअ, नई दिल्लीसहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

शिक्षा नीति, मातृभाषा एवं डिजिटल शिक्षा पर जोर....कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार (उप निदेशक, रउएफ्ळ बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्जवल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सात अतिथियों द्वारा सात डिजिटल प्रकाशनों का अनावरण....

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

अनावृत्त प्रकाशन एवं संपादक: कर्मणा -डॉ. मुकेश कुमार मृदुल,शिक्षक और एआई - मनीष कुमार,भावों की उड़ान - डॉ. स्वराक्षी स्वरा,प्रगाथा -सीमा संगसार
टीचर्स ऑफ बिहार कैलेंडर झ्र पुष्पा प्रसाद एवं मो. रिजवान अहमद
स्टडी टून -रूबी कुमारी एवं मनीष कुमार,अनुसंधानम् -कीर्ति सौम्य,पदाधिकारियों का संयुक्त बयान....

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा—ह्रसात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।ह्न उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर हुआ सीधा प्रसारण....

कार्यक्रम का फेसबुक पेज ह्नटीचर्स ऑफ बिहारह्न पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

कार्यक्रम संचालन एवं मीडिया वक्तव्य....

कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया।वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि— यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है।

हिन्दी दैनिक अखबार

डिजिटल राष्ट्रीय डेली न्यूज ई-पेपर छपरा (बिहार) एवं सीतापुर (यूपी) से प्रकाशित।

अम्बालिका न्यूज

खास खबरें

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगमः टीचर्स ऑफ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

अम्बालिका न्यूज

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन टीचर्स ऑफ बिहार के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ, पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, CIET-NCERT, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, NCERT, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, NCSL-NIEPA, नई दिल्ली सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार तथा डॉ. उदय कुमार उज्जवल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया। कर्मणा डॉ. मुकेश कुमार मृदुल शिक्षक और एआई मनीष कुमार भावों की उड़ान डॉ. स्वराक्षी स्वरा प्रगाथा सीमा संगसार टीचर्स ऑफ बिहार कैलेंडर पुष्पा प्रसाद एवं मो. रिजवान अहमद स्टडी टून रूबी कुमारी एवं मनीष कुमार अनुसंधानम्‍ कीर्ति सौम्य टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का फेसबुक पेज ह्यटीचर्स ऑफ बिहारह्ण पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई। कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार एवं इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि– यह आयोजन शिक्षक समाज को नई दिशा, ऊर्जा और डिजिटल सशक्तिकरण की प्रेरणा देने वाला सिद्ध हुआ है।

अखण्ड दूत

शिक्षा, नीति और नवाचार का संगम

टीचर्स ऑफ़ बिहार के सातवें स्थापना दिवस पर सात डिजिटल प्रकाशनों का विमोचन

पटना। शिक्षकों के हित, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं नीतिगत विमर्श को समर्पित प्रतिष्ठित संगठन "टीचर्स ऑफ बिहार" के सात वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा के अवसर पर स्थापना दिवस समापन उत्सव समारोह का आयोजन सोमवार, 26 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन शिक्षा जगत में संगठन की सक्रिय भूमिका, संघर्ष और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।समारोह में डॉ. एस. सिद्धार्थ (IAS), पूर्व अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, प्रो. डॉ. अमरेंद्र बेहरा, संयुक्त निदेशक, CIET-NCERT, नई दिल्ली, प्रो. डॉ. उषा शर्मा, प्रधान, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, NCERT, प्रो. डॉ. चारु स्मिता मलिक, सहायक प्राध्यापक, NCSL-NIEPA, नई दिल्ली सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, शिक्षक सशक्तिकरण, डिजिटल संसाधनों के उपयोग और समावेशी शिक्षा की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

शिक्षा नीति, मातृभाषा एवं डिजिटल शिक्षा पर जोर

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चंदन श्रीवास्तव (शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्री संजय कुमार (उप निदेशक, SCERT बिहार) तथा डॉ. उदय कुमार उज्ज्वल (राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद) ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सात अतिथियों द्वारा सात डिजिटल प्रकाशनों का अनावरण

स्थापना दिवस समापन समारोह के अवसर पर सात विशिष्ट अतिथियों द्वारा दो ई-बुक एवं तीन ई-पत्रिकाओं सहित एनीमेटेड वीडियो एवं कैलेंडर का का भव्य अनावरण किया गया। इन प्रकाशनों के संपादकों की भूमिका को अतिथियों ने अत्यंत सराहनीय बताया।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा–सात वर्षों की यह यात्रा शिक्षकों के विश्वास, संघर्ष और एकजुटता की कहानी है। संगठन आने वाले समय में भी शिक्षकों के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर हुआ सीधा प्रसारण

कार्यक्रम का फेसबुक पेज 'टीचर्स ऑफ बिहार' पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे राज्य भर के शिक्षकों एवं शिक्षा प्रेमियों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई। कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय एवं चंचला तिवारी द्वारा किया गया।